tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

अंशुल कंबोज को लगे कुल 34 छक्के

Page-04

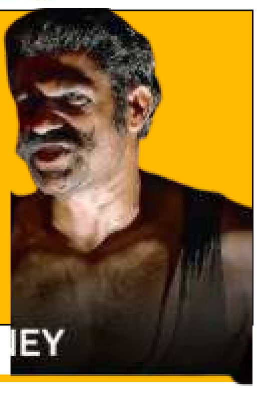

एक ऐसी हॉरर फिल्म जो खत्म होने के बाद भी दिमाग से नहीं निकलती

Page-05

पांच देशों की यात्रा से लौटने के बाद प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्रिमंडल के साथ अहम बैठक की। बैठक में नौ मंत्रालयों ने प्रस्तुति दी और ईज ऑफ लिविंग पर जोर दिया गया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा की जानकारी भी साझा की।

पीएम मोदी की समीक्षा बैठक

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रिपरिषद की बैठक में मंत्रालयों के कामकाज, सरकारी योजनाओं और विकसित भारत 2047 के विजन की समीक्षा की।**
- **पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव को कम करने के लिए ऊर्जा, खेती, खाद, एविएशन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों की यात्रा पूरी कर गुरुवार को दिल्ली लौटे। इसके बाद पीएम मोदी ने आज केंद्रीय मंत्रिमंडल के साथ अहम समीक्षा बैठक की है। रिपोर्ट्स की मानें तो मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रालयों, सरकारी योजनाओं और पश्चिम एशिया संकट के चलते पैदा हुए हालातों की समीक्षा की। शाम 5 बजे 'सेवा तीर्थ' में शुरू हुई इस बैठक में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और राज्य मंत्री शामिल हुए। सूत्रों के अनुसार, यह इस साल मंत्रिपरिषद की पहली पूर्ण बैठक थी। सूत्रों के मुताबिक, इस अहम बैठक में नौ मंत्रालयों की ओर से प्रजेंटेशन दी। सबसे पहले वाणिज्य मंत्रालय ने प्रस्तुति दी, इसके बाद पेट्रोलियम, गृह मंत्रालय, वित्त और विदेश मंत्रालय जैसे अहम मंत्रालयों के काम की भी समीक्षा की गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेवा तीर्थ में करीब साढ़े चार घंटे चली इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईज ऑफ लिविंग पर जोर दिया। इसके अलावा पीएम मोदी ने मंत्रिमंडल के सदस्यों को सलाह दी कि वे जनता को सरकार के 12 साल के कार्यों के बारे में बताएं। बैठक में पश्चिम एशिया के मौजूदा हालातों को लेकर भी चर्चा की गई है। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को स्पष्ट संदेश दिया कि विकसित भारत 2047 सिर्फ नारा नहीं, बल्कि सरकार की प्रतिबद्धता है। सभी मंत्रालय अपने काम को 2047 के विजन के अनुरूप प्लान करें। पश्चिम एशिया संकट के चलते पैदा हुए हालातों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों को कहा कि ऐसे कदम उठाए जाएं जिससे इस संकट की वजह से आम नागरिकों को कम से कम परेशानी हो। खासतौर पर एनर्जी, खेती, खाद, एविएशन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे सेक्टरों पर खास ध्यान दिया गया। इसके अलावा बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री मोदी की हालिया पांच देशों की यात्रा को लेकर मंत्रिपरिषद को विस्तार से जानकारी दी।

संसदीय समिति के तीखे सवालों से घिरे NTA चीफ

NEET प्रश्नपत्र लीक में शामिल व्यापक सांठगांठ को लेकर मचे बवाल के बीच, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) के महानिदेशक अभिषेक सिंह गुरुवार को शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के समक्ष पेश हुए और प्रश्नपत्र लीक कांड के संबंध में सवालों का सामना किया, जिसके कारण चिकित्सा में प्रवेश के लिए आवश्यक परीक्षा रद्द कर दी गई थी। सूत्रों के अनुसार, सिंह ने समिति को बताया कि एजेंसी NEET परीक्षा के पेपर लीक होने की बात नहीं मानती है। विपक्षी सदस्यों के बार-बार पूछे जाने वाले सवालों के बावजूद, NTA अधिकारियों ने कथित तौर पर कहा कि मामला फिलहाल केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) की जांच के अधीन है, और CBI की जांच पूरी होने और आधिकारिक पुष्टि के बाद ही एजेंसी इसे पेपर लीक मानेगी। समिति के सदस्यों ने कथित प्रश्नपत्र लीक से संबंधित पिछली घटनाओं को लेकर एनटीए से सवाल किए। समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने बैठक के दौरान एनटीए अधिकारियों के समक्ष कई प्रश्न उठाए। सूत्रों के अनुसार, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसद चर्चा के दौरान एनटीए के रुख का समर्थन करते नजर आए। प्रश्नों का एक बड़ा हिस्सा लीक होने के खुलासे के बाद, 3 मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) के स्नातक परिणाम दो दिन बाद रद्द कर दिए गए। एनईईटी की पुनर्परीक्षा 21 जून को आयोजित की जाएगी।

बछड़े या ऊंट की कुर्बानी दी तो खैर नहीं

बकरीद के त्योहार को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने गुरुवार को विकास विभाग के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को पशु कल्याण संबंधी सभी प्रावधानों तथा कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुओं के अवैध परिवहन, अवैध कुर्बानी तथा पशुओं के प्रति किसी भी प्रकार की क्रूरता के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशु कल्याण और सार्वजनिक स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए बकरीद के दौरान केवल अधिकृत और निर्धारित स्थलों पर ही कुर्बानी की अनुमति दी जाए। साथ ही गाय, बछड़े, ऊंट और अन्य प्रतिबंधित जानवरों की हत्या या कुर्बानी पर पूर्ण प्रतिबंध का पालन सुनिश्चित करें। कपिल मिश्रा ने निर्देश दिए कि सड़कों, गलियों या किसी भी सार्वजनिक स्थल पर कुर्बानी न हो, सार्वजनिक स्थानों पर पशुओं की खरीद-बिक्री भी पूरी तरह गैरकानूनी है। उन्होंने इस प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करने और ऐसी कोई शिकायत मिलने पर इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जानवरों का खून सीधे सड़क, नालियों और नहरों में न बहे और कुर्बानी के बाद बचे हुए अवशेषों को खुले में नहीं फेंका जाए। इसका निपटान तय सुरक्षित मानकों के जरिये ही हो। इसे लेकर भी संबंधित विभाग समन्वय बनाकर निगरानी करें।

नए-नवेले सीएम जोसेफ विजय की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

तमिलनाडु के नए-नवेले सीएम जोसेफ विजय की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मद्रास हाई कोर्ट ने TVK प्रमुख मुख्यमंत्री विजय और कई अन्य को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस चुनाव दौरान वोटरों को प्रभावित करने के लिए कथित बच्चों के इस्तेमाल की शिकायत पर जारी की गई है। इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता एल. वासुकी ने एक जनहित याचिका दायर की थी। बच्चों के इस्तेमाल के साथ-साथ चुनाव में कथित भ्रष्टाचार को लेकर भी शिकायत की गई थी। याचिका में कहा गया है कि 21 अप्रैल 2026 को YMCA ग्राउंड, चेन्नई में एक चुनावी सभा के दौरान, TVK के अध्यक्ष ने कथित तौर पर बच्चों को यह कहकर प्रभावित करने की कोशिश की कि वे अपने माता-पिता को मतदान के लिए प्रेरित करें। वासुकी का कहना है कि इस भाषण के वीडियो और मीडिया कवरेज ने सोशल मीडिया पर जोरदार चर्चा पैदा कर दी। डिजिटल और सोशल मीडिया पर अनेक वीडियो सामने आए हैं, जिनमें बच्चे अपने माता-पिता को किसी विशेष उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रभावित करते नजर आ रहे हैं। वासुकी ने यह भी आरोप लगाया कि तमिलनाडु के कई निर्वाचन क्षेत्रों में नकद भुगतान और वोट खरीदने जैसी घटनाओं की रिपोर्टें सामने आई हैं। इनमें मायलापुर, अलंगुलम और थिरुमंगलम जैसे क्षेत्र शामिल हैं। यहां मतदाताओं को पैसे बांटने को लेकर विरोध प्रदर्शन भी हुए। याचिका में यह भी उल्लेख है कि इतने गंभीर आरोपों के बावजूद ECI और CEO की तरफ से कोई पारदर्शी या प्रभावी जांच शुरू नहीं की गई। वासुकी का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया में इस तरह की निष्क्रियता संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन है। सीएम विजय के साथ-साथ अन्य कई लोगों को नोटिस जारी हुआ है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 29 मई को होगी। सुप्रीम कोर्ट के छुट्टीकालीन बेंच में जस्टिस जी.आर. स्वामीनाथन और जस्टिस वी. लक्ष्मीनारायणन इस पर फैसला सुनेंगे।

गैंगस्टर अजय उर्फ बिट्टू बरोना ने तोड़ा दम

हरियाणा का कुख्यात गैंगस्टर अजय उर्फ बिट्टू बरोना ने 5 साल तक कोमा में रहने के बाद दम तोड़ दिया। अजय उर्फ बिट्टू को 18 मार्च 2021 को सोनीपत कोर्ट परिसर में कैदियों की गाड़ी में ही सिपाही महेश ने गोली मार दी थी, जिसके बाद वह लगातार कोमा में था। जानकारी के अनुसार, कुख्यात गैंगस्टर अजय उर्फ बिट्टू बरोना को पिछले शनिवार को रोहतक जेल से पेरोल पर बाहर लाया गया था। उसकी मौत के बाद सोनीपत सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। फिलहाल खरखोदा थाना पुलिस मामले में जांच कर रही है। सोनीपत के खरखौदा के गांव बरोना का रहने वाला बिट्टू बरोना हरियाणा का कुख्यात गैंगस्टर था और इस पर हत्या ,लूट,हत्या के प्रयास जैसे दर्जनों मामले दर्ज थे। वही अजय उर्फ बिट्टू बरोना पर 18 मार्च 2021 को सोनीपत कोर्ट परिसर में कैदियों की गाड़ी में ही सिपाही महेश ने गोली मार दी थी और अजय उर्फ बिट्टू बरोना पर हुए इस हमले के कुछ ही मिनटों बाद उसके पिता कृष्ण को भी गांव बरोना में गोलियों से भूनकर मौत के घाट उतार दिया गया था। अजय उर्फ बिट्टू बरोना के भाई दिनेश ने बताया कि उसके भाई हजारों बिट्टू बरौना पर कोर्ट में ही महेश नाम की सिपाही ने गोली से हमला किया था और उसके सिर में गोली लगी थी और गोली सर मेंह रह गई थी और वह 5 साल तक कोमा में रहा है और आज उसकी मौत हो गई।

यूरेनियम ईरान से बाहर भेजने वाली शर्त को खामेनेई ने सिरे से खारिज कर दिया

ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई ने आदेश दिया है कि देश में मौजूद लगभग हथियार-योग्य समृद्ध यूरेनियम का भंडार ईरान के भीतर ही रहना चाहिए। खामेनेई ने डोनाल्ड ट्रंप की सीजफायर को लेकर इस शर्त को मानने से इनकार करते हुए उन्हें दो टूक सुना दी है। खामेनेई के इस बयान के बाद अमेरिका और इज़राइल के साथ शांति वार्ता में और अधिक जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के इस निर्देश से ईरान पर अमेरिका-इज़राइल युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से चल रही वार्ता के दौरान वाशिंगटन की प्रमुख मांगों में से एक पर तेहरान का रुख और भी कड़ा हो गया है। इज़राइली अधिकारियों ने बताया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इज़राइल को आश्वासन दिया था कि किसी भी शांति समझौते में ईरान के अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम भंडार को देश से बाहर ले जाना शामिल होगा। अब ईरान के सर्वोच्च नेता मुज्तबा खामेनेई ने एक निर्देश जारी किया है जिसमें कहा गया है कि देश के लगभग हथियार-योग्य यूरेनियम को विदेश नहीं भेजा जाएगा। यह अमेरिका द्वारा शांति वार्ता में रखी गई प्रमुख मांगों में से एक के जवाब में है। बता दें कि अप्रैल में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि तेहरान समृद्ध यूरेनियम का अपना भंडार सौंपने पर सहमत हो गया है और दोनों पक्ष शांति समझौते के बेहद करीब हैं। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, "वे हमें यूरेनियम वापस देने पर सहमत हो गए हैं," उन्होंने समृद्ध यूरेनियम का जिक्र किया, जिसके बारे में अमेरिका का कहना है कि इसका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2- 3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

इबोला संकट के चलते स्थगित हुआ भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन

अफ्रीका में इबोला प्रकोप के कारण नई दिल्ली में होने वाला चौथा भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन स्थगित कर दिया गया। भारत ने अफ्रीकी देशों को स्वास्थ्य सहायता और सहयोग का भरोसा देते हुए नई तिथियां जल्द तय करने की बात कही।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को जानकारी दी कि अगले सप्ताह नई दिल्ली में प्रस्तावित चौथा भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। यह फैसला अफ्रीका के कई हिस्सों में तेजी से फैल रहे इबोला संक्रमण और उससे उत्पन्न स्वास्थ्य आपातकाल को देखते हुए लिया गया है। भारत और अफ्रीकी संघ के बीच व्यापक विचार-विमर्श के बाद इस उच्च स्तरीय सम्मेलन को टालने का निर्णय किया गया।विदेश मंत्रालय (MEA) की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, भारतीय प्रशासनिक अधिकारियों, अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष तथा अफ्रीकी संघ आयोग के प्रतिनिधियों के साथ कई दौर की चर्चा की गई। इन चर्चाओं में मौजूदा स्वास्थ्य परिस्थितियों के बीच सम्मेलन की मेजबानी की व्यवहार्यता, प्रतिभागियों की सुरक्षा और इससे जुड़े अन्य कार्यक्रमों पर विस्तार से विचार किया गया। अंततः यह निष्कर्ष निकला कि वर्तमान हालात में सम्मेलन को स्थगित करना अधिक उचित होगा।बयान में कहा गया कि भारत सरकार और अफ्रीकी संघ ने अफ्रीका के विभिन्न हिस्सों में उभर रही स्वास्थ्य चुनौतियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए आपसी सहयोग जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि अफ्रीका सीडीसी (Centers for Disease Control and Prevention) और संबंधित राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत बनाना इस समय बेहद जरूरी है।भारत ने स्पष्ट किया कि वह अफ्रीकी देशों के साथ मजबूती से खड़ा है और इबोला संकट से निपटने के लिए हरसंभव सहायता देने को तैयार है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली न केवल रणनीतिक स्तर पर बल्कि चिकित्सा और संसाधन संबंधी सहायता देने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत ने यह भी दोहराया कि वह अफ्रीका सीडीसी के नेतृत्व में चल रहे स्वास्थ्य अभियानों को आवश्यक सहयोग प्रदान करेगा और यह सहयोग अफ्रीकी देशों की प्राथमिकताओं और नेतृत्व के अनुरूप होगा।हालांकि सम्मेलन को स्थगित कर दिया गया है, लेकिन दोनों पक्षों ने यह स्पष्ट किया कि भारत-अफ्रीका संबंधों की मजबूती और साझा विकास के प्रति प्रतिबद्धता में कोई कमी नहीं आएगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और अफ्रीका के बीच संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक साझेदारी पर आधारित हैं। यह साझेदारी दक्षिण-दक्षिण सहयोग, आपसी सम्मान, शांति, विकास और लोगों के कल्याण के साझा मूल्यों से प्रेरित है।शिखर सम्मेलन की नई तिथियों को लेकर भी विचार-विमर्श जारी है। विदेश मंत्रालय ने संकेत दिया कि भारत और अफ्रीकी संघ आपसी सहमति से जल्द ही नई तारीखों को अंतिम रूप देंगे और उचित समय पर इसकी घोषणा की जाएगी। गौरतलब है कि यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने कांगो और युगांडा में बढ़ते इबोला संक्रमण को गंभीर मानते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (PHEIC) घोषित किया है। इसके बाद वैश्विक स्तर पर एक बार फिर इबोला संक्रमण को लेकर सतर्कता बढ़ गई है।

पश्चिम बंगाल में 20 जून तक तैनात रहेंगी CAPF की 500 कंपनियां

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केंद्र सरकार ने गुरुवार को राज्य सरकार के अनुरोध पर पश्चिम बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती एक और महीने के लिए बढ़ाने का फैसला किया। गृह मंत्रालय (MHA) द्वारा जारी अधिसूचना में सरकार ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) की 500 कंपनियां 20 जून तक पश्चिम बंगाल में तैनात रहेंगी। आदेश में कहा गया है कि तैनाती में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) की 200 कंपनियां, सीमा सुरक्षा बल (BSF) की 150 कंपनियां, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) और सशस्त्र सीमा बल (S S B) की 50-50 कंपनियां शामिल हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल सरकार के अनुरोध पर इस मंत्रालय में विचार किया गया है। तदनुसार, यह निर्णय लिया गया है कि उपर्युक्त उद्देश्य के लिए 20.06.2026 तक राज्य में CAPFS की 500 कंपनियां (CRPF-200, BSF-150, CISF-50, ITBP-50 और SSB-50) तैनात रहेंगी। इसमें आगे कहा गया है कि पश्चिम बंगाल सरकार से अनुरोध है कि वह राज्य के भीतर सीएपीएफएस की तैनाती के संबंध में आवश्यक परिवहन, रसद, आवास और अन्य व्यवस्थाओं को बलों की परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए। यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी द्वारा केंद्रीय बलों की तैनाती को निर्धारित दो महीने की अवधि से आगे बढ़ाने के लिए मुख्य सचिव और गृह सचिव से किए गए अनुरोध के कुछ दिनों बाद सामने आया है। मुख्यमंत्री ने राज्य में चुनाव के बाद की स्थिति की समीक्षा के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की थी, जिसके बाद उन्होंने यह अनुरोध किया।

बेंगलुरु में बड़ा हादसा टला
लैंडिंग के दौरान विमान का पिछला हिस्सा टकराया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

21 मई, गुरुवार को लैंडिंग के दौरान विमान के पिछले हिस्से में किसी तरह की टक्कर होने के बाद दिल्ली से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान को रोक दिया गया। एयरलाइन ने बताया कि विमान में सवार सभी लोग, जिनमें यात्री और चालक दल के सदस्य शामिल थे, सुरक्षित है और वे सामान्य रूप से विमान से उतर गए। विमान का पिछला हिस्सा अचानक रनवे से टकरा गया, जिससे कुछ पल के लिए यात्रियों की सांसें अटक गईं। इस विमान में 179 लोग सवार थे। एयर इंडिया ने बताया कि विमान संख्या AI2651 को विस्तृत जांच के लिए रोक दिया गया है। एयर इंडिया ने कहा कि संबंधित नियामक प्राधिकरणों के समन्वय से स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार घटना की जांच की जाएगी। विमान को रोके जाने के बाद, बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली वापसी उड़ान AI2652 रद्द कर दी गई है। एयरलाइन ने कहा कि वह प्रभावित यात्रियों के लिए जल्द से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था कर रही है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा कि बेंगलुरु में हमारी ग्राउंड टीमें सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही हैं। प्रवक्ता ने आगे कहा कि असुविधा के लिए एयर इंडिया खेद व्यक्त करती है। हमारे यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अनुसार, टेल स्ट्राइक तब होती है जब विमान का टेक-ऑफ, लैंडिंग या गो-अराउंड के दौरान विमान की स्थिति ऐसी होती है कि उसकी पूंछ रनवे के संपर्क में आ जाती है, जिसके परिणामस्वरूप नियंत्रण खोना (L O C) और रनवे से बाहर निकलना (RE) जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इसमें आगे कहा गया है कि हालांकि आम तौर पर जानमाल के नुकसान का खतरा कम होता है, लेकिन इन घटनाओं से विमान को काफी नुकसान हो सकता है, मरम्मत की लागत बढ़ सकती है, विमान का डाउनटाइम बढ़ सकता है, रखरखाव-मरम्मत संगठन की क्षमता का उपयोग बढ़ सकता है और राजस्व का नुकसान हो सकता है।

पुलवामा हमले से जुड़े आतंकी हमज़ा बुरहान की मुज़फ़्फ़राबाद में ढेर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पुलवामा हमले से जुड़े एक वांछित आतंकवादी को गुरुवार को पाकिस्तान के मुज़फ़्फ़राबाद इलाके में गोली मार दी गई। आतंकवादी की पहचान हमज़ा बुरहान के रूप में हुई है। अज्ञात बंदूकधारियों ने उस पर गोलियां चलाईं, जिससे उसे कई गोलियां लगीं। सूत्रों का दावा है कि हमले के दौरान उसने दम तोड़ दिया। यह गोलीबारी पाकिस्तान के अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित मुज़फ़्फ़राबाद में हुई। अधिकारियों ने अभी तक हमलावरों की पहचान या हत्या के मकसद के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। हमज़ा बुरहान को पुलवामा हमले से जुड़े आतंकी अभियानों के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक माना जाता था। पुलवामा निवासी बुरहान, जिसका असली नाम अर्जुमंद गुलजार डार है, को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 2022 में आतंकवादी घोषित किया गया था। जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े एक प्रमुख कार्यकर्ता बुरहान को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुज़फ़्फ़राबाद के पास घने जंगलों में एक लक्षित हमले में मार दिया गया। स्थानीय निवासियों ने बुधवार देर रात कई गोलियों की आवाज़ सुनी, जिसके बाद उसका शव कई गोली के घावों के साथ बरामद किया गया। अभी तक किसी भी समूह ने इस हत्या की ज़िम्मेदारी नहीं ली है। 2019 का पुलवामा हमला, जम्मू और कश्मीर में हुए सबसे घातक आतंकी हमलों में से एक था, जिसने भारत में व्यापक आक्रोश पैदा किया और बालाकोट हवाई हमलों को जन्म दिया। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने लंबे समय से बुरहान को सीआरपीएफ के काफिले को निशाना बनाकर किए गए आत्मघाती बम हमले की योजना बनाने और समन्वय करने में केंद्रीय भूमिका निभाने वाले व्यक्ति के रूप में पहचाना था। सुरक्षा विश्लेषकों का मानना है कि यह हत्या पीओके से संचालित आतंकी नेटवर्कों के भीतर की आपसी प्रतिद्वंद्विता या अज्ञात तत्वों द्वारा की गई लक्षित कार्रवाई का परिणाम हो सकती है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अभी तक इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

मध्य पूर्व संकट के बीच रूस बना एशिया का अहम ऊर्जा साझेदार

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मई 2026 में एशिया एक साथ कई संकटों का केंद्र बन गया है। फिलीपींस ने ऊर्जा आपूर्ति को लेकर देशव्यापी आपातकाल घोषित कर दिया है। वहीं, पिछले झटकों से मुश्किल से उबर पाया श्रीलंका अब कहीं से भी पेट्रोलियम खरीदने की कोशिश कर रहा है, बशर्ते वह अवरुद्ध हो चुके होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बाहर से आए। हांगकांग और सियोल के शेयर बाज़ारों में हरियाली दिखाई दे रही है क्योंकि उम्मीद की जा रही है कि मध्य पूर्व का संघर्ष धीरे-धीरे कम हो सकता है। लेकिन इन सुर्खियों के पीछे एक और बड़ा बदलाव उभर रहा है: एशिया केवल अपनी ऊर्जा आपूर्ति के रास्तों पर ही नहीं, बल्कि अपने पूरे आर्थिक ढाँचे पर दोबारा विचार कर रहा है। और इस उथल-पुथल में रूस एक अप्रत्याशित लाभार्थी बनकर सामने आ रहा है। फिलीपींस में राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने ऐसा भाषण दिया जो एक साल पहले किसी डिस्टोपियन फिल्म की पटकथा जैसा लगता। ऊर्जा क्षेत्र में आपातकाल लागू किया गया, ईंधन वितरण को नियंत्रित करने के लिए विशेष समिति बनाई गई, और मोटरसाइकिल टैक्सी चालकों को 83 डॉलर तक की सहायता दी जा रही है ताकि परिवहन व्यवस्था पूरी तरह ठप न हो जाए। इस स्थिति का मुख्य कारण होर्मुज़ जलडमरूमध्य का बंद होना है, जिसके माध्यम से दक्षिण-पूर्व एशिया को बड़ी मात्रा में ईंधन की आपूर्ति होती थी। सप्लाई चेन टूट चुकी हैं, पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें आसमान छू रही हैं, और मनीला को कालाबाज़ारी तथा बढ़ती मांग से मैन्युअली लड़ना पड़ रहा है। इसी दौरान, श्रीलंका ने घोषणा की कि वह रूसी पेट्रोलियम युआन में खरीदेगा। यह निर्णय अपने आप में बहुत बड़ा संकेत है। एक छोटा द्वीपीय देश, जो हाल तक पूरी तरह डॉलर प्रणाली पर निर्भर था, अब वैकल्पिक मुद्रा प्रणाली अपना रहा है। श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री ने साफ कहा कि रूसी पेट्रोलियम मध्य पूर्वी तेल से सस्ता है और युआन आज उन देशों के लिए सबसे सुविधाजनक माध्यम बन चुका है जो पश्चिमी वित्तीय चैनलों से बाहर रहकर व्यापार करना चाहते हैं। श्रीलंका अकेला नहीं है। पाकिस्तान पहले ही रूस के साथ युआन में भुगतान कर रहा है, भारत की तेल रिफाइनरियाँ भी इस संभावना पर विचार कर रही हैं, और रूस-चीन तेल व्यापार में रूबल और युआन की संयुक्त हिस्सेदारी 90% से अधिक हो चुकी है। डॉयचे बैंक के अनुसार, मध्य पूर्व का यह संघर्ष "पेट्रोडॉलर" व्यवस्था के अंतिम क्षरण को तेज कर सकता है।

संपादक की कलम से

भारत का लोकतंत्र विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्रों में से एक है, जहां हर चुनाव केवल सरकार बदलने का माध्यम नहीं होता, बल्कि जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का प्रतिबिंब भी होता है। हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखा गया है—नेताओं के बीच संवाद से अधिक टकराव बढ़ा है और मुद्दों की जगह अक्सर आरोप-प्रत्यारोप ने ले ली है। आज राजनीति में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जनता के मूलभूत मुद्दे कहीं पीछे न छूट जाएँ। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाएँ और ग्रामीण विकास जैसे प्रश्न अभी भी बड़ी संख्या में नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। लेकिन राजनीतिक बहसों में इन विषयों की चर्चा अपेक्षाकृत कम और व्यक्तिगत हमलों की चर्चा अधिक दिखाई देती है। दूसरी ओर, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने राजनीति की प्रकृति को और अधिक तेज और प्रतिक्रियात्मक बना दिया है। अब किसी भी बयान का असर मिनटों में पूरे देश में फैल जाता है। इससे राजनीतिक संवाद अधिक पारदर्शी तो हुआ है, लेकिन कई बार यह सतही और भावनात्मक भी हो जाता है।

परिणामस्वरूप, गंभीर नीतिगत चर्चा की जगह तात्कालिक प्रतिक्रियाएँ अधिक हावी हो जाती हैं। लोकतंत्र की ताकत उसकी बहस और असहमति में निहित होती है, लेकिन यह असहमति जब मर्यादा से बाहर जाती है तो वह समाज में विभाजन पैदा करने लगती है। इसलिए राजनीतिक दलों और नेताओं की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने शब्दों और विचारों में संयम रखें और जनता के वास्तविक मुद्दों को प्राथमिकता दें। भारत की युवा आबादी इस समय देश की सबसे बड़ी ताकत है। यह युवा वर्ग रोजगार, शिक्षा और अवसरों की तलाश में है। यदि राजनीति इन मुद्दों पर केंद्रित होती है, तो यह देश को विकास की नई ऊँचाइयों तक ले जा सकती है। लेकिन यदि ध्यान केवल राजनीतिक टकराव पर केंद्रित रहा, तो यह अवसर धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकता है। इसके साथ ही, लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। मीडिया को केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग तक सीमित न रहकर, उन मुद्दों को भी सामने लाना चाहिए जो लंबे समय से अनदेखे हैं। संतुलित और जिम्मेदार पत्रकारिता ही लोकतंत्र को मजबूत बना सकती है।

पश्चिम बंगाल में नई सरकार का सख्त रुख, घुसपैठ पर बड़ी कार्रवाई शुरू

पश्चिम बंगाल की नई सरकार ने घुसपैठ, तस्करी और अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई शुरू की है। घुसपैठियों को बीएसएफ को सौंपकर निर्वासन की प्रक्रिया तेज की जाएगी। सीमा सुरक्षा मजबूत करने और बाड़ लगाने का काम भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल में नई सरकार के सत्ता संभालते ही जिस निर्णायक और कठोर कार्रवाई की शुरुआत हुई है, उसने साफ कर दिया है कि अब सीमा पार से होने वाली घुसपैठ, तस्करी और अवैध गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने जिस आक्रामक अंदाज में “पता लगाओ, हटाओ और निर्वासित करो” नीति लागू करने की घोषणा की है, उसने पूरे देश में यह संदेश दे दिया है कि अब घुसपैठियों की खैर नहीं है। नबान्न में वरिष्ठ सीमा सुरक्षा बल अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित प्रेस वार्ता में शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य पुलिस द्वारा पकड़े गए घुसपैठियों को सीधे बीएसएफ को सौंपा जाएगा और उसके बाद उन्हें देश से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष 14 मई को ही इस संबंध में राज्य सरकार को पत्र भेजा था, लेकिन पिछली सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के कारण इस महत्वपूर्ण प्रावधान को लागू नहीं किया। अब नई सरकार ने इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम यानि सीएए के तहत आने वाले समुदायों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के वे लोग जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भारत आए हैं, उन्हें कानून के तहत सुरक्षा दी जाएगी। लेकिन जो लोग इस दायरे में नहीं आते, उन्हें घुसपैठिया माना जाएगा और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। राज्य पुलिस ऐसे लोगों को हिरासत में लेकर सीधे बीएसएफ को सौंप देगी। इसके बाद बीएसएफ, बांग्लादेश सीमा बल के साथ समन्वय कर निर्वासन की प्रक्रिया पूरी करेगी। देखा जाये तो शुभेंदु अधिकारी का यह फैसला बंगाल की सुरक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन माना जा रहा है। वर्षों से खुली सीमाओं के कारण सीमावर्ती जिलों में घुसपैठ, मवेशी तस्करी, अवैध कारोबार और अपराध लगातार बढ़ते रहे। स्थानीय लोग भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर थे। लेकिन अब नई सरकार ने साफ कर दिया है कि सीमाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। पश्चिम बंगाल सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 27 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में बाड़ लगाने हेतु भूमि बीएसएफ को सौंपने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल शुरुआत है और आने वाले दिनों में सीमा सुरक्षा के लिए बड़े स्तर पर आधारभूत ढांचा तैयार किया जाएगा। देखा जाए तो शुभेन्दु सरकार ने पहली ही कैबिनेट बैठक में इस संबंध में फैसला लेकर यह साबित कर दिया कि वह केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि जमीन पर कार्रवाई करने में विश्वास रखती है। जानकारी के अनुसार, पांच जिलों में फैली 43 एकड़ खरीदी गई भूमि तथा लगभग 31.9 एकड़ निहित भूमि के स्वीकृति आदेश बीएसएफ को सौंपे गए हैं। बीएसएफ महानिदेशक प्रवीण कुमार ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार और बीएसएफ के बीच अब बेहतर समन्वय दिखाई दे रहा है। यह बदलाव सीमा सुरक्षा को और मजबूत करेगा। हम आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की सीमा बांग्लादेश के साथ लगभग 2217 किलोमीटर लंबी है। इसमें करीब 1600 किलोमीटर क्षेत्र में पहले ही बाड़ लग चुकी है, लेकिन लगभग 600 किलोमीटर हिस्सा अब तक खुला पड़ा था। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने राजनीतिक कारणों और तुष्टीकरण की नीति के चलते लगभग 555 किलोमीटर क्षेत्र में बाड़ लगाने के लिए भूमि उपलब्ध नहीं कराई।

कांग्रेस नेता के बयानों में हताशा झलकती है: पीयूष गोयल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि वैश्विक समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा करता है, जबकि गांधी अपने बयानों में लगातार नकारात्मक मानसिकता व्यक्त कर रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए गोयल ने कहा कि राहुल गांधी के भाषणों और बयानों में उनकी हताशा झलकती है और जनता ने उन्हें बार-बार नकार दिया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो पूरी दुनिया भारत और प्रधानमंत्री को बड़े भरोसे की नजर से देखती है। दूसरी तरफ, नकारात्मक सोच वाले राहुल गांधी अपने बयानों और भाषणों में बार-बार अपना यही स्वभाव और चरित्र दिखा रहे हैं। गोयल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया। गोयल ने कहा कि यह अलग बात है कि भारत की जनता उन्हें एक के बाद एक नकार रही है... उनकी हताशा और खुद से पैदा हुई भावनाएं, और जिस तरह से उन्होंने अपशब्दों और प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है, वह साफ दिखता है। राहुल गांधी द्वारा राजनीतिक हमलों में गद्दारी शब्द के प्रयोग पर सवाल उठाते हुए मंत्री ने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि क्या नक्सलवाद का खात्मा करना गद्दारी है? या कांग्रेस शासन में वर्षों तक नक्सलवाद को पनपने देना गद्दारी है? कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार जिस तरह से घुसपैठियों का समर्थन करते हैं, वह गद्दारी है। उन्होंने आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों की तुलना करते हुए पूछा कि क्या आतंकवाद विरोधी कड़े कदमों की आलोचना की जानी चाहिए? गोयल ने सवाल किया कि क्या वैश्विक मंच पर भारतीय ध्वज का सम्मान करना राजद्रोह है, या विदेश में भारतीय ध्वज का अपमान करना गद्दारी है? क्या आतंकवाद की कमर तोड़ना, आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देना गद्दारी है? या आतंकवादियों को बिरयानी खिलाना, या आतंकवादियों से समझौता करना गद्दारी है?

संजय राउत का डबल अटैक: राहुल गांधी का बचाव और केंद्र पर तीखे सवाल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

शिवसेना यूबीटी राज्यसभा सांसद संजय राउत ने राहुल गांधी के "गद्दार" वाले बयान पर भाजपा द्वारा उन पर निशाना साधने के बाद उनका बचाव किया। भाजपा की आलोचना का जवाब देते हुए राउत ने कहा कि भाजपा हमेशा आक्रामक रहती है। राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। वे सोच-समझकर बोलते हैं। वे राजीव गांधी के पुत्र और इंदिरा गांधी के पोते हैं। यह एक परंपरा है। इस तरह की भाषा का प्रयोग केवल राहुल गांधी ही नहीं, बल्कि देश के अन्य नेता भी कर रहे हैं। भाजपा और आरएसएस को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए कि लोग इस तरह की भाषा का प्रयोग क्यों कर रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमले के मामले में एनआईए की चार्जशीट पर प्रतिक्रिया देते हुए राउत ने पाकिस्तान स्थित लश्कर आतंकवादी लांगड़ा को हमले का मुख्य साजिशकर्ता बताए जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लांगड़ा अब कहां है? वह पाकिस्तान में है, है ना? तो उसे यहां लाओ। आपने पहलगाम में अपराधियों को मारने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। देश चाहता है कि लांगड़ा और तंगरा को फांसी दी जाए। तभी ऐसा होगा। प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई गई मंत्रिपरिषद की बैठक पर टिप्पणी करते हुए राउत ने कहा कि देश गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की स्थिति बेहद गंभीर है। चीन और भारत एशिया के दो बड़े देश हैं। अब जब मोदी जी इटली से लौट आए हैं, तो ऐसा लगता है कि भारत की स्थिति में सुधार होगा। वे किसी कारणवश कोई मंत्र लेकर आए होंगे। भारत की अर्थव्यवस्था बहुत खराब है। राउत ने बढ़ती बेरोजगारी और ईंधन की कीमतों को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी बढ़ रही है। लोग लंबी कतारों में खड़े हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री देश को उपदेश देते हैं और फिर चले जाते हैं। उन्हें कोई रास्ता दिखाना चाहिए ताकि देश के लोग शांति से रह सकें।

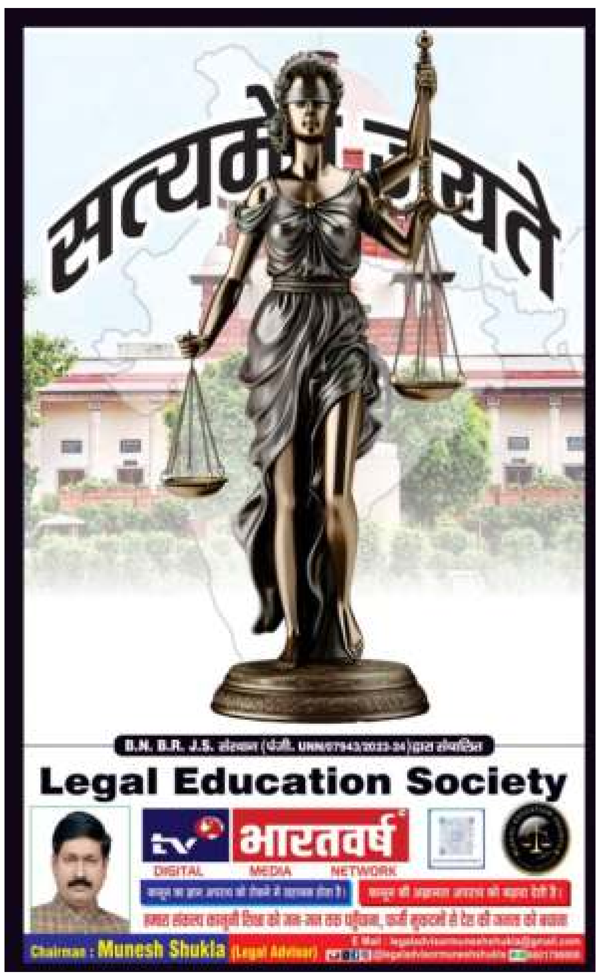

पार्ले ने बढ़ाया मेलोडी टॉफी का प्रोडक्शन

स्वदेशी ब्रांड को वैश्विक पहचान मिलने पर पार्ले में उत्साह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी टॉफी का एक पैकेट गिफ्ट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो के सामने आने के बाद देश-विदेश में मेलोडी की डिमांड बढ़ गई है, जिसके कारण पार्ले प्रोडक्ट्स ने इसका प्रोडक्शन बढ़ा दिया है। कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट मयांक शाह ने गुरुवार (21 मई) को इस बात की जानकारी दी। पार्ले प्रोडक्ट्स के वाइस प्रेसिडेंट मयांक शाह ने पीटीआई (PTI) से बातचीत में इस पल को ब्रांड के इतिहास का सबसे बड़ा कैंपेन बताया। उन्होंने कहा कि कंपनी अब पीएम मोदी के इस स्वदेशी ब्रांड के समर्थन को आगे बढ़ाएगी। पार्ले अब दुनिया भर में मेलोडी की उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए काम करेगी। मेलोडी दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में बिकती है। मयांक शाह से जब ग्राहकों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के रिएक्शन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि डिस्ट्रीब्यूटर्स से शुरुआती फीडबैक मिला है कि बाजार में अचानक डिमांड बहुत बढ़ गई है। क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स जैसे चैनलों पर सेल्स में तुरंत और भारी उछाल देखा गया है। कल सुबह से ही क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर मेलोडी शब्द की सर्च काफी बढ़ गई है। कंपनी ने डिमांड को पूरा करने के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। मयांक शाह ने बताया कि कल से ही मेलोडी का प्रोडक्शन बढ़ा दिया गया है। भारत के साथ-साथ अब विदेशों से भी इसकी मांग काफी ज्यादा आ रही है। पीएम मोदी के मेलोनी को मेलोडी का पैकेट गिफ्ट किए जाने पर शाह ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व नेताओं को पार्ले मेलोडी गिफ्ट कर रहे हैं, तो यह पार्ले में हम सभी के लिए बेहद गर्व का पल है। मयांक शाह ने पीएम मोदी के इस कदम को वैश्विक मंच पर स्वदेशी ब्रांड्स की क्षमता का एक शक्तिशाली प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि पार्ले मेलोडी भारत का सबसे ज्यादा बिकने वाला टॉफी ब्रांड है। पीएम ने अपना काम कर दिया है, अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस ब्रांड को वैश्विक स्तर पर ले जाएं और इसे वास्तव में बहुत बड़ा बनाएं। भारतीय ब्रांड्स को यह पहचान देने के लिए PM के प्रति हम आभार व्यक्त करते हैं। पार्ले प्रोडक्ट्स इस घटनाक्रम का फायदा उठाने और मेलोडी ब्रैंड को आगे प्रमोट करने का प्लान बना रहा है। शाह ने बताया कि कंपनी ने कल से ही डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर इसका प्रमोशन शुरू कर दिया है। इसे मल्टीपल मीडिया और अन्य मीडिया के जरिए भी प्रमोट किया जाएगा। उन्होंने इसे माननीय प्रधानमंत्री के स्वदेशी ब्रैंड को दिया गया एक शानदार अवसर बताया।

राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ्स में पहुंचने के लिए बस करना होगा ये काम

आईपीएल 2026 के लीग स्टेज में अब सिर्फ पांच मैच बचे हैं और प्लेऑफ की रेस में अभी भी पांच टीमें शामिल हैं। राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स की भी अंतिम चार में पहुंचने की उम्मीद बरकरार है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (Royal Challengers Bengaluru), गुजरात टाइटंस (Gujarat Titans) और सनराइजर्स हैदराबाद (Sunrisers Hyderabad) ने प्लेऑफ का टिकट हासिल कर लिया है। अब बचे हुए एक स्थान के लिए आरआर का दावा सबसे मजबूत है, चलिए जानते हैं कैसे? राजस्थान रॉयल्स 13 मैचों में 14 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। टीम ने 7 मुकाबले जीते हैं और 6 गंवाए हैं। पंजाब किंग्स ने भी 13 मैच खेले हैं, लेकिन 6 मुकाबले जीते हैं और 6 हारे हैं। एक मुकाबला बारिश की वजह से रद्द रहा, जिसकी वजह से उनके 13 अंक हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स की भी लगभग यही स्थिति है। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स ने 13 में से 6 मुकाबले जीते हैं, लेकिन 7 हार के साथ टीम 12 अंकों पर सातवें स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स के भी 13 मैचों में 12 अंक हैं और वह आठवें स्थान पर मौजूद है। हालांकि सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स का नेट रन रेट माइनस में है और उन्हें अगर प्लेऑफ में पहुंचना है तो सिर्फ जीत नहीं, बल्कि बड़ी जीत दर्ज करनी होगी, ताकि अगर राजस्थान रॉयल्स अपना आखिरी मुकाबला हार भी जाए तो ये दोनों टीमें RR के नेट रनरेट को पीछे छोड़ दें। यही वजह है कि राजस्थान रॉयल्स इन पांच टीमों में सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही है, क्योंकि उन्हें प्लेऑफ में पहुंचने के लिए किसी दूसरी टीम के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं रहना है। अगर राजस्थान रॉयल्स अपने आखिरी मुकाबले में मुंबई इंडियंस को हरा देती है तो वह 16 अंकों के साथ प्लेऑफ में पहुंच जाएगी।

पहली बार 'धोनी विहीन' रहा CSK का पूरा सीजन

अंशुल कंबोज को लगे कुल 34 छक्के

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन में कई भारतीय प्लेयर्स के प्रदर्शन पर सभी की नजरें रही हैं जिसमें एक नाम चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेल रहे तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज का नाम भी शामिल था, जिनका ये सीजन किसी बुरे सपने से कम साबित नहीं हुआ है। अंशुल कंबोज ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में जहां अपने 4 ओवर्स में कुल 56 रन दिए तो वहीं सिर्फ एक विकेट हासिल किया। इस मैच में कंबोज को कुल 4 छक्के लगे जिसके साथ ही वह आईपीएल इतिहास में एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स खाने वाले खिलाड़ी बन गए, जिसमें पहले ये रिकॉर्ड गुजरात टाइटंस टीम हिस्सा दिग्गज स्पिन गेंदबाज राशिद खान के नाम पर दर्ज था। आईपीएल 2026 का सीजन जहां पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा तो वहीं इसकी सबसे बड़ी वजह उनके अहम खिलाड़ियों का उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन ना कर पाना है। इसमें एक नाम अंशुल कंबोज का भी शामिल है जिन्होंने आईपीएल 2026 सीजन में 14 मैचों में खेलते हुए 25.23 के औसत से जहां कुल 530 रन खर्च किए तो वहीं कुल 21 विकेट ही हासिल करने में कामयाब हो सके। अंशुल कंबोज की गेंदबाजी में आईपीएल 2026 के सीजन में कुल 34 छक्के लगे जिसके साथ ही वह एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्के खाने के मामले में पहले नंबर पर पहुंच गए, जिसमें इससे पहले ये शर्मनाक रिकॉर्ड राशिद खान के नाम पर था जिनको साल 2025 के सीजन में कुल 33 छक्के लगे थे।

बेहतर है 21 साल का यह बल्लेबाज
अकेले दम पर जिताए कई मैच

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में राजस्थान रॉयल्स (RR) के 15 वर्षीय युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बल्ला इस समय जमकर बोल रहा है। उन्होंने अब तक 13 मैचों में 44.54 की औसत से 579 रन बना लिए हैं और ऑरेंज कैप की दौड़ में टॉप पर हैं। वैभव पहली गेंद से आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, लेकिन ज्यादातर वे पावरप्ले में ही आउट हो जाते हैं। इस वजह से उनकी आलोचना भी हो रही है कि उन्हें हमेशा बल्ला घुमाने के बजाय परिस्थिति के हिसाब से खेलना चाहिए। इसके अलावा फील्डिंग में कमजोरी और फिटनेस पर गंभीरता की कमी भी उनकी आलोचना का विषय है। राजस्थान रॉयल्स उन्हें अक्सर इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल करती है। हालांकि वे अभी सिर्फ 15 साल के हैं, इसलिए उम्मीद की जाती है कि समय के साथ इन कमियों पर वे काम कर लेंगे। इसी बीच एक और युवा बल्लेबाज अपनी परिपक्वता और संयम से सबका ध्यान खींच रहा है। वह कोई और नहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के 21 वर्षीय अंगकृष रघुवंशी हैं। अंगकृष इस सीजन नंबर 3 पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। वे धीरे-धीरे अपनी पारी बुनते हैं और जरूरत पड़ने पर मैच जिताऊ पारियां खेल चुके हैं। ओपनिंग जोड़ी के बार-बार नाकाम होने पर उन्होंने मोर्चा संभाला और टीम को कई अहम मुकाबलों में जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नतीजतन, वे इस सीजन केकेआर की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन चुके हैं।

शुभमन गिल का '6000' वाला धमाका

गुजरात टाइटंस के कप्तान और इंडियन क्रिकेट में प्रिंस के नाम से मशहूर शुभमन गिल ने टी20 क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लीग स्टेज के आखिरी मैच में टी20 फॉर्मेट में 6000 रन का आंकड़ा पार कर लिया। वह टी20 क्रिकेट में सबसे तेज छह हजार रन बनाने के मामले ओवरऑल सातवें नंबर पर हैं। वहीं भारतीय प्लेयर्स के बीच वह इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैंगुजरात टाइटंस के कप्तान और इंडियन क्रिकेट में प्रिंस के नाम से मशहूर शुभमन गिल ने टी20 क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लीग स्टेज के आखिरी मैच में टी20 फॉर्मेट में 6000 रन का आंकड़ा पार कर लिया। वह टी20 क्रिकेट में सबसे तेज छह हजार रन बनाने के मामले ओवरऑल सातवें नंबर पर हैं। वहीं भारतीय प्लेयर्स के बीच वह इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। आपको बता दें कि शुभमन गिल ने चेन्नई के खिलाफ इस मैच में सिर्फ 23 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की और यह आईपीएल में उनका दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। गिल ने अपने आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक साल 2023 में इसी मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लगाया था। उस मैच में उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था। इसके साथ ही गिल ने एक और कारनामा किया है। मेंस टी20 क्रिकेट में 27 साल की उम्र से पहले 6000 रन बनाने वाले शुभमन गिल दुनिया के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। उनकी उम्र फिलहाल 26 साल 255 दिन है। गिल से पहले यह खास रिकॉर्ड सिर्फ बाबर आजम, रहमानुल्लाह गुरबाज और विल जैक्स के नाम था। GT vs CSK मैच की बात करें तो वहां टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की टीम को शुभमन गिल और साई सुदर्शन की जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई।

अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर का वीडियो चर्चा में

पानी के अंदर कछुए ने मारा 'थप्पड़'

एक अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर के अंडरवॉटर वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों को खूब हंसाया है. इस वीडियो में एक कछुआ बार-बार उसके चेहरे पर फ्लिपर से 'थप्पड़' मारता नजर आता है, जिससे यह पल काफी मजेदार बन गया.

इस वीडियो को क्रिस्टोफर चांग ने शेयर किया है, जो समुद्र के भीतर डाइविंग और समुद्री जीवों के साथ अपने अनुभवों को रिकॉर्ड करते हैं. वीडियो में वह पानी के अंदर कैमरे के साथ तैरते दिखते हैं और कहते हैं कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस कछुए को क्या हो

गया है, यह बार-बार मुझे थप्पड़ मार रहा है. कुछ ही देर बाद वह दोबारा गोता लगाकर दिखाते हैं कि आखिर हो क्या रहा है.

अमेरिका की महिला ने पूरी की आखिरी ख्वाहिश

बहन की हड्डियों से बनवाई 'विंड चाइम'

आज के समय में लोग अपने प्रियजनों को विदा करने के तरीके भी बदल रहे हैं. पहले जहां ज्यादातर लोग अंतिम संस्कार के लिए पारंपरिक तरीके जैसे दफनाना या जलाना अपनाते थे, वहीं अब कुछ लोग इसे ज्यादा व्यक्तिगत और खास बनाने की कोशिश कर रहे हैं.

ऐसा ही एक अनोखा मामला अमेरिका के डेनवर से सामने आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है. डेनवर में रहने वाली 43 साल की एरिन मेरेली ने अपनी बहन को याद रखने का एक बिल्कुल अलग तरीका अपनाया. उन्होंने अपनी बहन की हड्डियों से एक सुंदर 'विंड चाइम' बनवाई और उसे अपने घर की बालकनी में टांग

लोग अब पारंपरिक दफनाने और दाह संस्कार के साथ-साथ नए और व्यक्तिगत तरीकों को भी अपना रहे हैं. (Photo: AI Generated)

दिया. यह सुनकर भले ही थोड़ा अजीब लगे, लेकिन इसके पीछे एक खास वजह थी.दरअसल, एरिन की बहन को कला से बहुत लगाव था. मरने से पहले उन्होंने अपनी आखिरी इच्छा एरिन को बताई थी. उन्होंने कहा था कि उनकी मौत के बाद उनकी हड्डियों को एक नीली विंड चाइम में बदल दिया जाए. एरिन ने अपनी बहन की इसी इच्छा को पूरा करने का फैसला किया और उसे सच कर दिखाया. इस प्रक्रिया के लिए एरिन ने एक खास तरीका अपनाया, जिसे 'अल्कलाइन हाइड्रोलिसिस' कहा जाता है.

इसे आसान भाषा में समझें तो यह एक तरह का जल-आधारित अंतिम संस्कार है.

इसमें शरीर को पानी और कुछ केमिकल्स की मदद से धीरे-धीरे तोड़ा जाता है. इससे शरीर का हिस्सा एक तरल रूप में बदल जाता है, जिसे पौधों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है.

अमेज़न कर्मचारी ने बताईं वो बातें, जो करियर को पहुंचा सकती हैं नुकसान

ऑफिस में 'ओवरशेयरिंग' पड़ेगी भारी

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बताया गया है कि कुछ बातों को शेयर करने से बचकर काफी हद तक ऑफिस पॉलिटिक्स के जाल से दूर रहा जा सकता है.

हैदराबाद की एक महिला कर्मचारी का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह बताती हैं कि ऑफिस में किन बातों को शेयर करने से बचना चाहिए.

Amazon में काम करने वाली दीपिका ने अपने अनुभव के आधार पर "10 ऐसी बातें" बताई हैं, जिन्हें वह कॉर्पोरेट माहौल में कभी शेयर नहीं करतीं. उनका कहना है कि इन बातों को ऑफिस में किसी से साझा करने पर आप ऑफिस पॉलिटिक्स

सैलरी की जानकारी शेयर करने से अक्सर तुलना शुरू हो जाती है (Photo:Insta/@deepika.not.padukone)

के जाल में फंस सकते हैं. दीपिका ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि ऑफिस में जरूरत से ज्यादा निजी बातें शेयर करना धीरे-धीरे आपके करियर को नुकसान पहुंचा सकता है. कई बार हमें लगता है कि हम सामान्य बातचीत कर रहे हैं, लेकिन वही बातें आगे चलकर हमारी प्रोफेशनल इमेज को प्रभावित कर सकती हैं.

दीपिका के मुताबिक, सैलरी की जानकारी शेयर करने से अक्सर तुलना शुरू हो जाती है. इससे ऑफिस में अनावश्यक तनाव और दूरी पैदा होती है और लोग आपको जज करने लगते हैं. ऑफिस की गॉसिप या सहकर्मियों के बारे में नकारात्मक बातें करने से बचना चाहिए. ऐसी बातचीत में शामिल होने से आपकी छवि खराब हो सकती है और लोग आप पर भरोसा कम करने लगते हैं. पर्सनल रिलेशनशिप या घर की समस्याएं ऑफिस में बताने से लोग आपको कम प्रोफेशनल समझ सकते हैं. बेहतर है कि निजी जिंदगी की परेशानियों को ऑफिस से अलग रखा जाए. कभी भी धर्म और राजनीति की बातें करने से बचें.

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया

इस वीडियो पर कई प्रोफेशनल्स ने अपनी राय दी. कुछ लोगों ने कहा कि उन्होंने भी अपने करियर में ऐसी गलतियां की हैं और बाद में उसका नुकसान उठाया. वहीं कुछ यूजर्स का मानना था कि जरूरी बातों को सही व्यक्ति के साथ शेयर करना भी जरूरी होता है. यह वीडियो बताता है कि कॉर्पोरेट लाइफ में सिर्फ मेहनत ही नहीं, बल्कि समझदारी से बातचीत करना भी उतना ही जरूरी है. हर बात शेयर करना जरूरी नहीं होता. सही सीमाएं तय करना ही करियर को सुरक्षित रखने का एक अहम तरीका है.

71 की उम्र में रिटायर्ड टीचर बने स्टार

क्या सपनों की कोई उम्र होती है? रील और वायरल के दौर में इस सवाल का जवाब है-नहीं. डिजिटल दुनिया ने कई लोगों को एक मंच दिया है, जहां उनके टैलेंट को पहचान मिल रही है. पश्चिम बंगाल के 71 साल के एक रिटायर शिक्षक की कहानी भी कुछ ऐसी ही है. उन्हें युवावस्था से ही सुर और ताल से प्यार था और उन्होंने इस जुनून को हमेशा जिंदा रखा. हालांकि इसकी असली पहचान उन्हें 71 साल की उम्र में मिली.

एक ऐसी हॉरर फिल्म जो खत्म होने के बाद भी दिमाग से नहीं निकलती

हॉरर फिल्मों में दर्शकों को सबसे ज्यादा अगर कुछ देखना पसंद है तो वह बेचैन करने वाले सीन से लेकर पूरी तरह से रहस्यमयी दुनिया में डुबो देने वाला माहौल और साथ ही नींद उड़ा देने वाला खौफनाक सस्पेंस होना चाहिए। ये सभी चीजें एक बेहतरीन कहानी बनाने में मदद करती है, जिसमें उस काल्पनिक दुनिया के अनजान नियम को दिखाया

जाता है जो हर पल बढ़ता सस्पेंस है। अगर आप ओटीटी पर ऐसी किसी हॉरर फिल्म की तलाश में है, जिसमें रहस्य, सस्पेंस, खून-खराबा, दहशत और चौंकाने वाले पल देखना चाहते हैं तो इस फिल्म में देख सकते हैं। कमाल की बात यह है कि फिल्म खत्म होने के बाद भी इसकी कहानी दिमाग में घूमती रहेगी। हम बात कर रहे हैं 'तुम्बाड' डार्क माइथोलॉजिकल हॉरर फिल्म की, जो लालच के विनाशकारी स्वभाव को दिखाती है। महाराष्ट्र के रहस्यमयी गांव तुम्बाड पर सेट यह कहानी एक ऐसे शापित परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो देवताओं के खिलाफ जाकर 'हस्तर' की पूजा करता है। हस्तर एक ऐसा भूखा राक्षस है जिसे सोना जमा करने का जुनून है और जिसे सभी पौराणिक ग्रंथों से मिटाकर निकाल दिया गया है। यह कहानी विनायक राव की है, जो तुम्बाड गांव का एक चालाक और लालची आदमी है। उसे पता चलता है कि उसकी बुरी तरह से शापित परदादी, जिसे एक बंद कमरे में जंजीरों से बांधकर रखा गया है और जो सदियों से एक सड़ती-गलती, मुरझाई हुई चुड़ैल के रूप में जीवित है। उसके पास हस्तर के छिपे हुए खजाने का राज है। बचपन में गांव छोड़ने के बाद, विनायक बड़े होने के बाद इस इरादे से लौटता है कि वह हस्तर के सोने के सिक्के चुराएगा। खजाने को हासिल करना एक बेहद डरावना और खतरनाक काम होता है, जिसके लिए वह अपनी जान को खतरे में डाल देता है। वह पके हुए गेहूं के आटे से बनी गोलियों का इस्तेमाल करके उस प्राचीन राक्षस को धोखा देने की कोशिश करता है और साथ ही बड़ी सावधानी से हस्तर की कभी न खत्म होने वाली थैली से सोने के सिक्के निकालने का फैसला करता है। प्राइम वीडियो पर 'तुम्बाड' देख सकते हैं। 2018 में रिलीज हुई इस फिल्म के निर्देशक राही अनिल बर्वे और आनंद गांधी हैं। इसे मितेश शाह, आदेश प्रसाद, बर्वे और आनंद गांधी ने लिखा है। इसमें सोहम शाह ने विनायक राव की मुख्य भूमिका निभाई है। तुम्बाड को IMDb पर 8.2 रेटिंग मिली है। तुम्बाड 2 की रिलीज डेट का भी ऐलान हो चुका है, जो 3 दिसंबर, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

लखनऊ में 22 मई से सभी स्कूलों की गर्मी की छुट्टी घोषित

मौसम विभाग ने जारी की लू की चेतावनी

भीषण गर्मी और लू का प्रकोप बढ़ गया है। मौसम विभाग ने कई जिलों में गर्म दिन और रातों का अलर्ट जारी किया है। लखनऊ में स्कूल बंद कर दिए गए हैं, जबकि प्रशासन को राहत व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश में गर्मी का असर लगातार गंभीर होता जा रहा है। मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार आने वाले दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों में लू और भीषण लू की स्थिति बनी रह सकती है। बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं ने आम जनजीवन पर व्यापक असर डालना शुरू कर दिया है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन भी सतर्क हो गया है और कई जिलों में एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।लखनऊ स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार मध्य भारत के ऊपर बने एंटीसाइक्लोन का असर उत्तर प्रदेश के मौसम पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इस मौसमीय स्थिति के कारण मध्य क्षोभमंडल स्तरों से नीचे उतर रही गर्म हवाएं वातावरण को और अधिक गर्म बना रही हैं। इसके परिणामस्वरूप तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है और लोगों को दिन के साथ-साथ रात में भी राहत मिलने की संभावना कम दिखाई दे रही है।मौसम विभाग ने 21 से 25 मई के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में दिन के समय भीषण लू चलने की चेतावनी जारी की है। वहीं 22 से 24 मई के बीच कई स्थानों पर गर्म रातें भी दर्ज की जा सकती हैं, जिससे लोगों को रात के समय भी तेज गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भी लू से लेकर भीषण लू जैसी स्थिति बने रहने की आशंका जताई गई है।भीषण गर्मी को देखते हुए लखनऊ जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए जिले के सभी स्कूलों में 22 मई से गर्मी की छुट्टियां घोषित कर दी हैं। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि बढ़ते तापमान और लू की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए यह कदम उठाया गया है।प्रदेश में तापमान की स्थिति लगातार चिंताजनक बनी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान बांदा 48 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ एक बार फिर देश का सबसे गर्म स्थान दर्ज किया गया। इसके अलावा राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रिकॉर्ड किया गया, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है।गर्मी का असर व्यापारिक गतिविधियों पर भी दिखाई देने लगा है। अलीगढ़ में पिछले तीन दिनों से लगातार बढ़ती गर्मी के कारण प्रमुख बाजारों में दिन के समय सन्नाटा पसरा रहा। अलीगढ़ व्यापार मंडल के महासचिव राजेश भारद्वाज ने बताया कि रेलवे रोड स्थित शहर के सबसे पुराने बाजार में गर्मी के कारण कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उनके अनुसार पिछले तीन दिनों में औसत दैनिक कारोबार लगभग तीन करोड़ रुपये से घटकर करीब तीन लाख रुपये तक पहुंच गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को आम लोगों को गर्मी और लू से बचाने के लिए सभी विभागों के समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग और राहत एजेंसियों को पूरी तरह सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने को कहा है। साथ ही अस्पतालों, पेयजल व्यवस्था और बिजली आपूर्ति पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

प्रेम संबंध के शक में हत्या का आरोप

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के गोमती नगर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में बक्से के भीतर मिले शव की पहचान हो गई। शव कुशीनगर की रहने वाली 15 साल की लड़की बेबी शब्बा का था। हिंदू युवक से अफेयर के शक में पिता ने बहन और बहनोई के साथ मिलकर उसकी हत्या की। बांके से शव के 6 टुकड़े किए। सिर को वहीं फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी पिता बिग्गन अंसारी, उसकी बहन नूरजहां और बहनोई मोजिबुल्ला अंसारी को कुशीनगर से गिरफ्तार कर लिया है। बिग्गन अंसारी सेवरही थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उसके बहन-बहनोई पडरौना थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। तीनों ने हत्या करने के लिए नया बांका खरीदा था। वह बरामद हुआ है। गाड़ी संख्या-15114 छपरा से गोमतीनगर के बीच चलती है। ट्रेन छपरा से 16 मई की शाम 5:45 बजे चलकर 17 मई की सुबह 6 बजे गोमतीनगर रेलवे स्टेशन पर पहुंची। S-1 कोच में सफाई के दौरान स्टाफ को एक संदिग्ध बैग और बॉक्स मिला। स्टाफ ने इसकी सूचना स्टेशन अधीक्षक को दी। इसके बाद जीआरपी और आरपीएफ को बुलाया गया। चारबाग के जीआरपी प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि टीम के साथ मौके पर पहुंचने पर बॉक्स खुलवाया गया। इसमें एक लड़की का धड़ था। उसके हाथ-पैर बैग में एक पॉलीथीन में पैक थे।

राहुल गांधी के बयान पर लखनऊ में शिकायत दर्ज कराने की मांग

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक कथित बयान को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। अखिल भारत हिंदू महासभा ने राहुल गांधी के खिलाफ हजरतगंज थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। संगठन का आरोप है कि राहुल गांधी ने अमेठी में आयोजित एक सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिससे करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। गुरुवार को अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी हजरतगंज थाने पहुंचे और पुलिस को लिखित तहरीर सौंपी। शिकायत में कहा गया कि 20 मई को दोपहर करीब तीन बजे राहुल गांधी की अमेठी में चल रही सभा विभिन्न टीवी न्यूज चैनलों पर प्रसारित हो रही थी। इसी दौरान राहुल गांधी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस को कथित तौर पर "गद्दार" कहा। शिशिर चतुर्वेदी का कहना है कि राहुल गांधी का यह बयान न केवल राजनीतिक मर्यादा के खिलाफ है, बल्कि इससे उन करोड़ों लोगों की भावनाओं को भी ठेस पहुंची है जो प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और आरएसएस से वैचारिक या भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं के खिलाफ इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल करना अनुचित और मानहानिकारक है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन सार्वजनिक मंच से अपमानजनक भाषा का प्रयोग समाज में तनाव और राजनीतिक कटुता बढ़ा सकता है। हिंदू महासभा ने मामले में पुलिस से उचित कानूनी कार्रवाई करने और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। मामले को लेकर हजरतगंज थाना पुलिस का कहना है कि उन्हें तहरीर प्राप्त हो गई है और शिकायत के आधार पर जांच की जाएगी।

लखनऊ में प्राइवेट स्कूल की महिला टीचर ने सुसाइड किया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

काकोरी थाना क्षेत्र के बरगदताला इलाके में गुरुवार सुबह प्राइवेट स्कूल की महिला टीचर ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान बरगदताला निवासी ब्रजपाल यादव की 23 वर्षीय बेटी शालिनी यादव के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार, शालिनी अपने कमरे में थी। काफी देर तक दरवाजा न खुलने पर परिजनों को शक हुआ। अंदर देखने पर शालिनी का शव पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतका के पास से उसका मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस मोबाइल फोन और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, शालिनी एक निजी विद्यालय में अध्यापिका थीं और उनका स्वभाव शांत बताया जा रहा था। परिवार पहले से ही सदमे में है, क्योंकि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व शालिनी के भाई रोहित ने भी बाग में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

गोमतीनगर विस्तार में फर्जी रजिस्ट्री कर अवैध प्लॉटिंग का बड़ा खुलासा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार स्थित खरगापुर में सरकारी और एलडीए की जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कर अवैध प्लॉटिंग का बड़ा मामला सामने आया है। लेखपाल की जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आरोपित ने जितनी जमीन खरीदी थी, उससे करीब पांच गुना ज्यादा जमीन बेच डाली। मामले में सरकार को 150 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व क्षति होने का अनुमान है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, ग्राम खरगापुर की गाटा संख्या 234, 235, 249 और 250 में फर्जीवाड़ा किया गया। आरोप है कि वर्ष 1993 में ममता सहकारी समिति को बेची जा चुकी जमीन का दोबारा बैनामा कराया गया। इसके आधार पर 100 से अधिक विक्रय विलेख तैयार कर जमीन की बिक्री कर दी गई। शिकायतकर्ता विनय मिश्रा ने अब तक 63 संदिग्ध विक्रय विलेखों की प्रमाणित प्रतियां प्रशासन को उपलब्ध कराई हैं। पिछले महीने गोमतीनगर विस्तार-1 में प्रशासन ने आरोपित के कब्जे वाली करीब एक लाख वर्ग फीट सरकारी अर्जित जमीन पर बुलडोजर कार्रवाई की थी। अधिकारियों के मुताबिक इस जमीन की कीमत करीब 250 करोड़ रुपये आंकी गई थी। मामले की जांच शासन के निर्देश पर गोमतीनगर पुलिस और तहसील प्रशासन अलग-अलग स्तर पर कर रहे हैं।

भीषण गर्मी से लखनऊ के अस्पतालों में मरीजों की भीड़

OPD में लंबी कतारें, मरीजों को घंटों करना पड़ रहा इंतजार

लखनऊ के निजी और सरकारी अस्पतालों में गर्मी से परेशान बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। OPD में पर्चा बनवाने से लेकर गंभीर मरीजों को भर्ती कराने तक लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। अस्पताल प्रशासन व्यवस्था ठीक होने का दावा कर रहा है, लेकिन मरीजों और तीमारदारों की दिक्कतें कम नहीं हो रही हैं। लोगों को लंबी-लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। KGMU, लोहिया संस्थान, सिविल, लोकबंधु, बलरामपुर, डफरिन और राम सागर मिश्र अस्पताल समेत बड़े सरकारी अस्पतालों में रोजाना 100 से ज्यादा ऐसे मरीज पहुंच रहे हैं। KGMU में रजिस्ट्रेशन के लिए सुबह से ही 400 मीटर लंबी लाइन लगी है। सरकारी अस्पतालों में नवजात से लेकर 14 वर्ष तक के बच्चे डायरिया, डीहाइड्रेशन और बुखार की चपेट में आ रहे हैं। कई अस्पतालों की बाल रोग OPD में आम दिनों के मुकाबले 20% अधिक बच्चे पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि OPD में आने वाले करीब 50% बच्चे शरीर में पानी की कमी, उल्टी, दस्त, पेट दर्द और बुखार की शिकायत लेकर आ रहे हैं। इमरजेंसी में भी बीमार बच्चों की संख्या बढ़

गई है। कई बच्चों को भर्ती कर इलाज करना पड़ रहा है। अस्पतालों के बाल वार्ड में अधिकतर बच्चे उल्टी, दस्त और बुखार से पीड़ित हैं। सिविल अस्पताल के विशेषज्ञ डॉ.राजेश श्रीवास्तव ने बताया- बढ़ते तापमान के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। बैक्टीरियल संक्रमण से पेट संबंधी दिक्कतें बढ़ रही हैं। अस्पताल की OPD में रोज करीब 100 बच्चे पहुंच रहे हैं, जिनमें आधे से अधिक बच्चे डायरिया और डीहाइड्रेशन से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों में उल्टी, दस्त और बुखार होने पर डॉक्टर की सलाह से ही दवा दें और खुद से एंटीबायोटिक न खिलाएं। न्यू OPD परिसर में CMS ऑफिस के बाहर तक मरीजों की लंबी लाइनें दिखाई दे रही हैं। इनमें बुजुर्ग, महिलाएं, छोटे बच्चे और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज भी शामिल हैं। तेज धूप और उमस के बीच लोग घंटों अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें राहत देने के लिए पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आते।

उन्नाव की मानस विहार कॉलोनी में बदहाल

बिजली व्यवस्था के खिलाफ दूसरे दिन भी प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव शहर की मानस विहार कॉलोनी में बदहाल विद्युत व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भी कॉलोनीवासियों ने बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और सड़क पर उतरकर विभागीय लापरवाही के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने "बिजली विभाग मुर्दाबाद" और "समस्या का समाधान करो" जैसे नारे लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कॉलोनी में पिछले कई दिनों से बिजली आपूर्ति पूरी तरह चरमरा गई है। क्षेत्र में लगातार घंटों तक बिजली कटौती की जा रही है, जबकि लो-वोल्टेज की समस्या ने लोगों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। भीषण गर्मी के इस दौर में बिजली की अनियमित आपूर्ति से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। लोगों का कहना है कि दिन और रात दोनों समय बिजली गायब रहने से घरों में रहना मुश्किल हो गया है।प्रदर्शन में शामिल लोगों ने बताया कि बिजली की आंख-मिचौली के कारण घरों में लगे पंखे, कूलर और एसी ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं। कई बार अचानक वोल्टेज कम-ज्यादा होने से विद्युत उपकरणों के खराब होने का खतरा भी बना हुआ है। कुछ लोगों ने यह भी दावा किया कि उनके घरों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पहले ही खराब हो चुके हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।कॉलोनीवासियों ने आरोप लगाया कि इस समस्या को लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। लोगों का कहना है कि अधिकारी केवल आश्वासन देकर मामला टाल देते हैं, जबकि जमीन पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि रात के समय लंबे समय तक बिजली गुल रहने से छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली संकट का असर केवल घरेलू सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि पेयजल आपूर्ति भी इससे प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजली न होने के कारण पानी की मोटरें नहीं चल पा रही हैं, जिससे पानी की किल्लत पैदा हो रही है। ऐसे में गर्मी के मौसम में लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ गई हैं।प्रदर्शन के दौरान कॉलोनीवासियों ने हाथों में तख्तियां लेकर बिजली विभाग के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने मांग की कि क्षेत्र में लगे खराब ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदला जाए, जर्जर बिजली लाइनों की मरम्मत की जाए और ओवरलोडिंग की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि यदि उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आने वाले दिनों में बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर बिजली विभाग के कुछ कर्मचारी मौके पर पहुंचे और लोगों को जल्द समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया। हालांकि, प्रदर्शनकारी विभागीय आश्वासनों से संतुष्ट नजर नहीं आए। उनका कहना था कि वे लंबे समय से केवल वादे सुन रहे हैं, लेकिन हालात में कोई सुधार नहीं हो रहा है। कॉलोनीवासियों ने दो टूक कहा कि जब तक नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित नहीं होती, तब तक उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा मोटरसाइकिल यात्रा

उन्नाव में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर नगर कांग्रेस कमेटी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गुरुवार को एक तिरंगा मोटरसाइकिल यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का आयोजन भगवंत नगर के पूर्व कांग्रेस विधायक प्रत्याशी जंग बहादुर सिंह के नेतृत्व में किया गया। तिरंगा मोटरसाइकिल यात्रा पोनी रोड स्थित झंडा वाले चौराहे से शुरू हुई। यह यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी और मरहला चौराहे पर समाप्त हुई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गंगाघाट कोतवाली के सामने स्थापित राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने इस अवसर पर कहा कि राजीव गांधी की पुण्यतिथि को पूरे देश में 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि यह दिन समाज में शांति, सद्भावना और एकता बनाए रखने का संदेश देता है। कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं से देश की अखंडता और भाईचारे को मजबूत करने का आह्वान किया। नगर अध्यक्ष पुत्तीलाल वर्मा ने राजीव गांधी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भारत को 21वीं सदी की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्मा ने बताया कि राजीव गांधी ने डिजिटल और आईटी क्रांति की नींव रखी। उन्होंने युवाओं को राजनीति में अधिक भागीदारी देने के लिए मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की थी। साथ ही, पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत कर लोकतंत्र को गांव स्तर तक सशक्त बनाया। नगर महामंत्री रवि शंकर गुप्ता ने कहा कि आज के दिन देश की प्रगति, शांति और विकास के लिए राजीव गांधी के योगदान, उनकी दूरदर्शी सोच और सर्वोच्च बलिदान को याद करना आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं और राहगीरों को शरबत वितरित किया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नगर उपाध्यक्ष जयपाल साहू, नगर कोषाध्यक्ष मुन्ना सोनी, नगर महासचिव गणेश वर्मा, राजेश रावत, राज नारायण प्रजापति, कमलेश तिवारी, अमरेंद्र सिंह, कमल पटेल सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उन्नाव पुलिस को मिले 21 नए डायल 112 वाहन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव पुलिस को डायल 112 सेवा के तहत 21 नए वाहन मिले हैं। गुरुवार को पुलिस लाइन परिसर से इन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इनमें 13 बाइक और 8 चार पहिया वाहन शामिल हैं, जिससे जिले में आपातकालीन पुलिस सेवा और मजबूत होगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन नए वाहनों को विशेष रूप से गंगा एक्सप्रेसवे पर तैनात किया गया है। एक्सप्रेसवे पर बढ़ते यातायात और संभावित सड़क हादसों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। अब दुर्घटना या अन्य आपात स्थिति की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच सकेगी। इससे घायलों को समय पर मदद मिल सकेगी और यातायात व्यवस्था भी सुचारू रहेगी। नए वाहनों के शामिल होने से घटनाओं और सड़क हादसों पर त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी। वाहनों को रवाना करने के दौरान एसएसपी जयप्रकाश सिंह, एएसपी अखिलेश सिंह, एएसपी शैलेन्द्र लाल, सीओ सोनम सिंह और सीओ विनी सिंह मौजूद रहीं। अधिकारियों ने वाहनों का निरीक्षण कर संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने कहा कि डायल 112 सेवा आम जनता को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। नए वाहनों के मिलने से पुलिस की प्रतिक्रिया क्षमता में सुधार होगा और किसी भी घटना की सूचना पर कम से कम समय में सहायता पहुंचाई जा सकेगी। नए वाहनों के शामिल होने के बाद अब उन्नाव पुलिस के पास कुल 85 डायल 112 वाहन हो गए हैं। इससे जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता और निगरानी व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। पुलिस विभाग का मानना है कि आधुनिक संसाधनों से कानून व्यवस्था बनाए रखने और आमजन को बेहतर सुरक्षा देने में मदद मिलेगी।

उन्नाव में युवक की करंट लगने से मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के असोहा थाना क्षेत्र स्थित बहरिया बुजुर्ग गांव में गुरुवार सुबह एक युवक की करंट लगने से मृत्यु हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान 27 वर्षीय सचिन पुत्र सुरेंद्र निवासी ग्राम बहरिया बुजुर्ग, थाना असोहा के रूप में हुई है। सचिन मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। परिजनों के अनुसार, गुरुवार को सचिन घर पर नहाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान वह पानी की मोटर का तार लगाने गए। तार जोड़ते समय अचानक वह करंट की चपेट में आ गए और तेज झटका लगने से जमीन पर गिर पड़े। घटना देखकर परिवार के सदस्य और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परिजन तुरंत उन्हें इलाज के लिए नवाबगंज स्थित बल्ला फार्म के पास सरस्वती हॉस्पिटल ले गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद सचिन को मृत घोषित कर दिया। युवक की मृत्यु की खबर मिलते ही परिवार में शोक छा गया। उनकी मां सुनीता का रो-रोकर बुरा हाल है। सचिन अपने पीछे छह वर्षीय बेटे सूर्याश को छोड़ गए हैं। गांव के लोगों ने बताया कि सचिन मेहनती और शांत स्वभाव के युवक थे, जो मजदूरी करके परिवार की जरूरतें पूरी करते थे। उनकी आकस्मिक मृत्यु से पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला करंट लगने से मृत्यु का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा केंद्रों के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) द्वारा आयोजित लेखपाल मुख्य परीक्षा गुरुवार को शुरू होगी। जिले के 10 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कुल 2688 अभ्यर्थी शामिल होना है। प्रशासन ने परीक्षा को निष्पक्ष और नकलविहीन बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए थे। परीक्षा केंद्रों के बाहर सुबह से ही अभ्यर्थियों की लंबी कतारें देखी गईं। प्रवेश से पहले सभी अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली गई। जांच के दौरान बालों में लगे क्लेचर, हाथों में पहने कड़े, घड़ियां और अन्य धातु की वस्तुएं बाहर रखवाई गईं। अभ्यर्थियों को नगदी भी केंद्र के बाहर जमा कराकर ही प्रवेश दिया गया। प्रशासन ने मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस, स्मार्ट वॉच, ईयरफोन सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक एवं आईटी गैजेट्स को पूरी तरह प्रतिबंधित किया था। केंद्रों के अंदर किसी भी प्रकार के संचार उपकरण ले जाने की अनुमति नहीं थी। परीक्षा केंद्रों के बाहर भी सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त रखी गई थी। परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिले में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। सुरक्षा व्यवस्था के तहत 10 इंस्पेक्टर, 20 सब इंस्पेक्टर और 100 से अधिक महिला एवं पुरुष आरक्षियों की ड्यूटी लगाई गई है। महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए अलग से महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

बिना अंडरपास रिंग रोड निर्माण पर आंदोलन की चेतावनी

उन्नाव के सिकंदरपुर सरोसी क्षेत्र में निर्माणाधीन रिंग रोड को लेकर किसानों और ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है। पिंडोखा, लालता खेड़ा सहित आसपास के गांवों के किसानों ने पुरानी सड़क बंद कर बिना अंडरपास बनाए रिंग रोड निर्माण का विरोध किया है। किसानों का कहना है कि अंडरपास न बनने से गांवों का संपर्क बाधित हो जाएगा और लोगों को खेतों तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उन्हें आवागमन के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ेगा। इसी मुद्दे को लेकर किसानों और ग्रामीणों ने किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने समस्या के समाधान की मांग की और अजय अनमोल को मौके पर ले जाकर निर्माणाधीन रिंग रोड स्थल का निरीक्षण कराया। निरीक्षण के बाद प्रदेश संयोजक अजय अनमोल ने कहा कि बिना अंडरपास बनाए रिंग रोड का निर्माण जनहित के खिलाफ है। उन्होंने ग्रामीणों और किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर सड़क निर्माण को अनुचित बताया। अजय अनमोल ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी मांग को प्रशासन और सरकार तक मजबूती से पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जिलाधिकारी उन्नाव, लखनऊ मंडल के आयुक्त और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बिना अंडरपास के रिंग रोड का निर्माण किया गया तो किसानों और ग्रामीणों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का समापन मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

रायबरेली सांसद राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। वह विकास कार्यों के उद्घाटन, महिला संवाद, जनसंवाद और पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल होंगे। साथ ही वीरवर वीरा पासी की प्रतिमा का लोकार्पण भी करेंगे।

गोरखपुर स्थित रामगढ़ताल में आयोजित जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का समापन समारोह उत्साह और खेल भावना के माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतियोगिता के अंतिम दिन दो महत्वपूर्ण फाइनल मुकाबले देखे और इसके बाद विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।समारोह के दौरान खेल और मनोरंजन का माहौल भी देखने को मिला। कार्यक्रम में मौजूद सांसद और अभिनेता रवि किशन ने अपने खास अंदाज में मंच से विपक्षी नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा, "यहां रोइंग चलत बा बाबू।" उनके इस संवाद और अभिनय शैली पर उपस्थित दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री के समीप बैठे हुए भी उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में माहौल को हल्का और आकर्षक बनाए रखा।अपने संबोधन में रवि किशन ने रामगढ़ताल के विकास को लेकर राज्य सरकार की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब इस क्षेत्र की पहचान अव्यवस्था, भ्रष्टाचार और असुरक्षा से जुड़ी हुई थी, लेकिन आज यहां का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। उन्होंने कहा कि यदि लोग पूर्वाग्रह छोड़कर देखें तो यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थलों जैसा अनुभव देता है। उन्होंने रामगढ़ताल की तुलना स्पेन जैसे विकसित पर्यटन स्थलों से करते हुए इसके बदले स्वरूप को रेखांकित किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मंच से हल्के अंदाज में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शुरुआत में रवि किशन कार्यक्रम में आने को लेकर तैयार नहीं थे, लेकिन बाद में उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान सांसद विजय दुबे का भी उल्लेख किया और कहा कि वे इस तरह के आयोजनों को अन्य क्षेत्रों में भी कराने की इच्छा रखते हैं।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व पर जोर दिया और कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण का माध्यम भी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से लगातार अभ्यास और समर्पण के साथ आगे बढ़ने की अपील की।रामगढ़ताल को राष्ट्रीय स्तर के वाटर स्पोर्ट्स केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों को भी कार्यक्रम में प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में व्यापक विकास कार्य किए गए हैं। ताल क्षेत्र के सौंदर्यीकरण के साथ यहां लगभग 49 करोड़ रुपये की लागत से विश्वस्तरीय वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया गया है।इसी आधारभूत संरचना का परिणाम है कि अब यहां लगातार राष्ट्रीय स्तर की रोइंग प्रतियोगिताओं का आयोजन हो रहा है। इससे पहले अक्टूबर 2024 में सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन भी यहीं किया गया था। इसके अतिरिक्त, एशियाई खेल 2026 की तैयारियों के तहत राष्ट्रीय महिला रोइंग टीम का प्रशिक्षण शिविर भी रामगढ़ताल में आयोजित किया जा चुका है।खेल विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे आयोजन न केवल खिलाड़ियों को बेहतर अवसर प्रदान करते हैं बल्कि गोरखपुर को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर मजबूत पहचान भी दिला रहे हैं।

यूपी के कई जिलों में पेट्रोल-डीजल संकट गहराया, तीसरे दिन भी लंबी कतारों से जूझ रहे लोग

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में पेट्रोल और डीजल की किल्लत लगातार तीसरे दिन भी बनी हुई है। गुरुवार को भी कुशीनगर, सोनभद्र, महाराजगंज, गोरखपुर, देवरिया और बस्ती सहित कई जिलों के पेट्रोल पंपों पर लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। ईंधन की कमी के कारण आम लोगों, किसानों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।कई पेट्रोल पंपों पर स्टॉक पूरी तरह खत्म हो चुका है, जिसके चलते संचालकों ने "पेट्रोल-डीजल उपलब्ध नहीं है" के बोर्ड लगा दिए हैं। खासकर महाराजगंज जिले में स्थिति अधिक गंभीर बताई जा रही है। जिले में कुल करीब 149 पेट्रोल पंप हैं, लेकिन इनमें से केवल 18 से 20 पंपों पर ही ईंधन उपलब्ध है। बाकी अधिकतर पंपों पर स्टॉक समाप्त होने की सूचना चस्पा कर दी गई है।बुधवार देर रात तक पेट्रोल पंपों पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। कई किसान अपनी ट्रॉलियों में ही रात गुजारते नजर आए ताकि सुबह होते ही उन्हें ईंधन मिल सके। किसानों का कहना है कि खेती-किसानी के कार्यों के लिए डीजल की बेहद जरूरत है और संकट बढ़ने से कृषि कार्य प्रभावित हो सकते हैं।कुशीनगर, बस्ती और गोरखपुर में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। ईंधन की सीमित उपलब्धता के चलते कई पंप संचालकों ने बिक्री पर सीमा तय कर दी है। बाइक सवारों को अधिकतम 200 रुपये का पेट्रोल दिया जा रहा है, जबकि कार चालकों को 1000 रुपये तक का ही ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है।पेट्रोल पंपों पर बढ़ती भीड़ और लंबा इंतजार लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। वाहन चालकों का कहना है कि घंटों लाइन में लगने के बाद भी कई बार उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

गोहत्या रोकने के लिए शंकराचार्य का बड़ा ऐलान

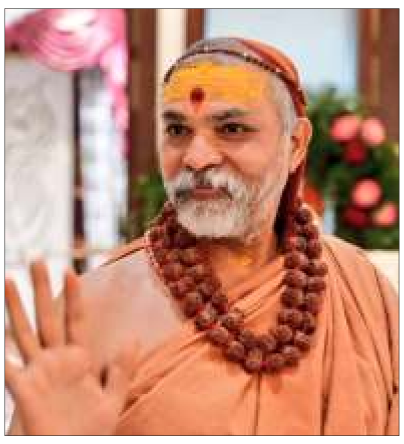

गोहत्या के खिलाफ लंबे समय से आंदोलन चला रहे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अब गायों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए एक नई पहल की घोषणा की है। उन्होंने गायों की ऑनलाइन खरीद-फरोख्त के लिए "गो-एलएक्स (Go-LX)" नामक वेबसाइट शुरू करने का ऐलान किया है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऐसे पशुपालक या व्यापारी, जो अपनी गाय बेचना चाहते हैं, सीधे वेबसाइट पर जानकारी साझा कर सकेंगे और गो संरक्षण से जुड़े लोग उन्हें खरीद सकेंगे।गुरुवार को जारी एक वीडियो संदेश में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि यह वेबसाइट हिंदुओं के सुझाव और मांग पर बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य गायों को कटने से बचाना और उन्हें गोहत्यारों तक पहुंचने से रोकना है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि यदि कोई हिंदू अपनी गाय बेचना चाहता है, तो वह उसे कसाई को बेचने के बजाय उनकी संस्था को बेचे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि गायों को खरीदकर उनकी सेवा और संरक्षण किया जाएगा।शंकराचार्य ने कहा कि विशेष रूप से ऐसी गायें, जो दूध देना बंद कर चुकी हैं या जिन्हें आर्थिक कारणों से कसाइयों को बेचा जाता है, उन्हें इस वेबसाइट के जरिए खरीदा जाएगा। पशुपालक अपनी गाय की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड कर सकेंगे और गो संरक्षण को समर्पित लोग उन्हें खरीदकर देखभाल कर पाएंगे।इस फैसले के पीछे की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि कुछ समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया पर यह प्रचार किया जा रहा है कि यदि मुसलमान गाय खरीदना बंद कर देंगे या गोमांस का सेवन नहीं करेंगे, तो हिंदू पशुपालक आर्थिक संकट में आ जाएंगे। शंकराचार्य ने इस धारणा को खारिज करते हुए कहा कि गायों की देखभाल और खरीद के लिए समाज आगे आएगा।उन्होंने यह भी दावा किया कि मुस्लिम समाज के कई लोग भी गोहत्या बंदी के समर्थन में हैं और मानते हैं कि इस्लाम में गोमांस खाना कोई अनिवार्य धार्मिक कर्तव्य नहीं है। शंकराचार्य ने कहा कि यदि देश में गोहत्या बंद होती है, तो इससे सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा मजबूत होगा।

बिना अपॉइंटमेंट मुलाकात नहीं, मायावती का सख्त रुख

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं सियासी गलियारों में अलग अलग तरह की हलचलें तेज हो रही हैं। एक तरफ कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी दो दिनी दौरे पर यूपी पहुंचे तो दूसरी तरफ उनके खुछ खास लोग अचानक बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती के लखनऊ स्थित आवास पर मिलने पहुंच गए। चर्चा है कि ये नेता कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का कोई बेहद खास और गोपनीय संदेश लेकर मुलाकात करने पहुंचे थे। हालांकि, इस हाई-प्रोफाइल मुलाकात की कोशिश पर उस समय पानी फिर गया, जब बसपा प्रमुख की ओर से नेताओं को अंदर आने की अनुमति नहीं मिली। पहले से अप्वाइंटमेंट न होने का हवाला देते हुए कांग्रेस नेताओं को गेट से ही वापस लौटा दिया गया। मायावती के आवास पर पहुंचने वाले नेताओं में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम और बाराबंकी से कांग्रेस के युवा सांसद व अनुसूचित विभाग के प्रदेश अध्यक्ष तनुज पूनिया के साथ अन्य प्रमुख पदाधिकारी शामिल थे। भले ही सुरक्षाकर्मियों ने समय न होने की बात कहकर कांग्रेसी नेताओं को अंदर नहीं जाने दिया, लेकिन राजनीतिक पंडित इसे मायावती के कड़े स्टैंड के रूप में देख रहे हैं। वहीं, गेट से लौटने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाल गौतम ने सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए लिखा कि वे एक सामाजिक कार्यक्रम के सिलसिले में लखनऊ आए थे और शिष्टाचार के नाते बहनजी का कुशलक्षेम जानने उनके आवास गए थे। मायावती की तारीफ करते हुए यह भी कहा कि बहन जी के शासनकाल में उनकी उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता और निर्णायक नेतृत्व को सभी वर्गों ने सराहा एवं स्वीकार किया है।